सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : पंचवटी एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०२	००	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य–स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की वैचारिकता के भेद को समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- पल्लवन एवं संक्षेपण के स्वरूप को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की कथावस्तु				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की शिल्प–योजना				
	ईकाई–२	'पंचवटी' काव्य का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त भारतीय संस्कृति				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त पाश्चात्य संस्कृति				
	ईकाई–३	'पंचवटी' खण्डकाव्य के चरित्रों का चित्रण				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त प्रकृति, संदेश एवं शीर्षक की सार्थकता				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की आधुनिकता				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त आदर्श राजनीति				
	ईकाई–४	पल्लवन				
		संक्षेपण				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की संवाद–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य का वातावरण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पंचवटी
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य–सदन, १८४–तलैया, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी व्याकरण की सरल पद्धति : डॉ. बदरीनाथ कपूर – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
७. व्यावहारिक हिन्दी : कैलाशचन्द्र भाटिया – तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
८. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एक नया अनुशीलन : के. के. कृष्णन नम्बूदिरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. लिपि वर्तनी और भाषा : डॉ. बदरीनाथ कपूर – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
१०. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण : विराज–राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली
११. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
१२. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
१३. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
१४. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
१५. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१६. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
१७. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१८. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१९. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन
२०. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
२१. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
२२. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
२३. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
२४. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
२५. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
२६. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२७. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०३)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : शबरी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	मुख्य (पेपर-०३)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्र श्रम, कर्म एवं धर्म का महत्व समझे ।
- 'जाति नहीं कर्म ही सर्वश्रेष्ठ है ।' उक्ति को छात्र समझे ।
- नरेश मेहता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- शबरी की आत्मिक शक्तियों के साथ अपनी आत्मिक शक्तियों की तुलना करें ।
- छात्रगण जातिगत अधिकारों के बदले कर्मयत अधिकारों के प्रति जागृत हों ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : परंपरा एवं विकास				
		'शबरी' खण्डकाव्य की कथावस्तु				
		'शबरी' का खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
	ईकाई-२	'शबरी' का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
		'शबरी' खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'शबरी' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		'शबरी' खण्डकाव्य में व्यक्त आध्यात्मिकता				
	ईकाई-३	'शबरी' खण्डकाव्य के चरित्रों का मूल्यांकन				
		'शबरी' खण्डकाव्य में निरूपित वर्णव्यवस्था				
		'शबरी' खण्डकाव्य में नारी चेतना				
		'शबरी' खण्डकाव्य में श्रम एवं भाग्य का संघर्ष				
	ईकाई-४	'शबरी' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'शबरी' खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		'शबरी' खण्डकाव्य में निरूपित राजव्यवस्था				
		'शबरी' खण्डकाव्य में व्यक्त दलित चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'शबरी' खण्डकाव्य की संवाद–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य का मतंगऋषि		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : शबरी (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : नरेश मेहता
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. नरेश मेहता का काव्य संवेदना और शिल्प : अभियचन्द्र पटेल – आराधना ब्रधर्स, २२४/२५२ सी, गोविन्दनगर, कानपुर – २०८००६
२. नरेश मेहता के खण्डकाव्य एक अनुशीलन : प्रा. कविता शर्मा, २२–सप्तकिरण सोसायटी, सहजानंद कॉलेज समीप, अहमदाबाद–२५
३. नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन : प्रभाकर शर्मा – पंचशील प्रकाशन, फिल्म कोलोनी, जयपुर – ३०२००३
४. नयी कवित के प्रमुख हस्ताक्षर : संतोषकुमार तिवारी – जवाहर पुस्तकालय, सदर बाजार, मथुर
५. नरेश मेहता : कविता की उर्ध्वयात्रा : रामकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. मिथकीय संदर्भो में रामचरित : डॉ. शुभद्रा पाटील – विद्या प्रकाशन २२५/६८ के (एन.टी.सी.) गोविन्दनगर, कानपुर – ६
७. शबरी : महादेवी शर्मा – विद्यामंदिर लिमिटेड, नई दिल्ली
८. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य में रामकथा का पुराख्यान : डॉ. पुष्पारानी – शांति प्रकाशन, आस–२२४४२ रोहतक, हरियाणा
९. हिन्दी रामकाव्य का स्वरूप और विकास : डॉ. पुष्पारानी – वाणी प्रकाशन, ६२–एफ, कमलानगर, दिल्ली
१०. नरेश मेहता और उनका महाप्रस्थान : कृष्णदेव शर्मा – रीगल बुक डीपो, दिल्ली
११. नरेश मेहता की वैष्णव काव्य–यात्रा : डॉ. विमला सिंह – शिल्पी प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर–०४)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास – दौड़								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	मुख्य (पेपर–०४)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य–रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।
- छात्र उपन्यास और कहानी का अंतर समझे ।
- भूमण्डलीकरण, बाजारवाद, वैश्विकरण आदि के बारे में छात्र विस्तार से समझे ।
- छात्रों को वर्तमान शिक्षा–पद्धति से अवगत करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी महिला उपन्यासकारों में ममता कालिया का स्थान				
		‘दौड़’ उपन्यास की कथावस्तु				
		‘दौड़’ उपन्यास की पात्र–योजना				
	ईकाई–२	उपन्यास–कला के आधार पर ‘दौड़’ का मूल्यांकन				
		भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में ‘दौड़’ उपन्यास का मूल्यांकन				
		‘दौड़’ उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ				
		‘दौड़’ उपन्यास की संवाद–योजना				
	ईकाई–३	‘दौड़’ उपन्यास का शीर्षक				
		‘दौड़’ उपन्यास का उद्देश्य				
		‘दौड़’ उपन्यास में व्यक्त उपभोक्तावादी संस्कृति				
		‘दौड़’ उपन्यास में व्यक्त शिक्षा में भ्रष्टाचार				
	ईकाई–४	‘दौड़’ उपन्यास का परिवेश				
		‘दौड़’ उपन्यास की भाषाशैली				
		‘दौड़’ उपन्यास में व्यक्त मार्क्सवादी चिंतन				
		‘दौड़’ उपन्यास का अन्त				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'दौड़' उपन्यास की वैचारिकता – 'दौड़' उपन्यास में व्यक्त मानवीय संवेदना – 'दौड़' उपन्यास में व्यक्त बाजारीकरण – 'दौड़' उपन्यास की समसामायिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : दौड़ (उपन्यास)
लेखिका : ममता कालिया
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. फैमिदा बिजापुरे – विनय प्रकाशन, कानपुर
२. हिन्दी उपन्यास साहित्य की विकास परम्परा में साठोत्तरी उपन्यास : डॉ. पारूकान्त – चिंतन प्रकाशन, कानपुर
३. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान, लिपिक प्रकाशन, दिल्ली
४. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास : अतुलवीर अरोडा, पंजाब पब्लिकेशन, चंदीगढ
५. उपन्यास समीक्षा के नये आयाम : दंगल झाल्टे – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
६. आधुनिक समाज की नारी चेतना : डॉ. सुशील वर्मा – आशा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
७. उत्तरशती का हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. मोहनन – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
८. कथाकार : ममता कालिया : डॉ. रेखा मुळे – विकास प्रकाशन, कानपुर
९. उपन्यास : स्वरूप तथा शिल्प : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त – अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नवम् दशक के उपन्यास : संवेदना और शिल्प – डॉ. कल्पना माणिकचंद व्हसाळे – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
११. भारतीय नारी : दशा और दिशा : आशा रानी व्होरा – नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१२. महिला उपन्यासकारों के रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ : डॉ. शीलप्रभा वर्मा – विद्या विहार, कानपुर
१३. महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि : डॉ. अमर ज्योति – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
१४. महिला कथाकार समाजशास्त्रीय एवं संकल्पना : डॉ. काश्मीरीलाल – भावना प्रकाशन, पटडगंज, दिल्ली
१५. महिला उपन्यासकारों की सामाजिक चेतना एवं शिक्षा : डॉ. सुनीता सक्सेना – आशा पब्लिशिंग कंपनी, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-०३)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-१ (पेपर-०३)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्रगण भारतीय आध्यात्मिक अस्मिता को गहराई से समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- छात्र नहुष की चारित्रिक विशेषताओं को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास				
		'नहुष' खण्डकाव्य का कथानक				
		'नहुष' का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'नहुष' खण्डकाव्य का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		'नहुष' खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य के पात्रों का चरित्र-मूल्यांकन				
	ईकाई-३	'नहुष' खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की संवाद-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
	ईकाई-४	'नहुष' खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		'नहुष' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य का नायक				
		'नहुष' खण्डकाव्य की रस-योजना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'नहुष' खण्डकाव्य में व्यक्त देवलोक – 'नहुष' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य में अलौकिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : नहुष (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य–सदन, चिरगाँव, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली – ६
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
६. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
७. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
८. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
९. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१०. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
११. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१३. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-०४)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास - आपका बंटी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-१ (पेपर-०४)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य-रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।
- छात्र मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाने ।
- छात्र हिन्दी उपन्यास में मनोवैज्ञानिक उपन्यास साहित्य को जाने ।
- छात्र उपन्यास के उद्‌भव एवं विकास को समझे ।
- छात्र संदर्भित उपन्यास की मूल संवेदना को जाने ।
- छात्र समसामयिक परिस्थितियाँ एवं हिन्दी उपन्यास के तारतम्य को जाने ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास				
		'आपका बंटी' उपन्यास की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'आपका बंटी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'आपका बंटी' उपन्यास में 'बंटी' का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास की मूल संवेदना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित समस्याएँ				
	ईकाई-३	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त बाल मनोविज्ञान				
		'आपका बंटी' उपन्यास की आधुनिकता				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त दाम्पत्य जीवन				
		'आपका बंटी' उपन्यास का परिवेश				
	ईकाई-४	'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित नारी जीवन				
		वर्तमान मानव समाज के टूटते संबंध और 'आपका बंटी' की आलोचना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त अकेलापन की स्थिति				
		'आपका बंटी' उपन्यास की समसामयिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'आपका बंटी' शीर्षक सार्थकता – ' 'आपका बंटी' उपन्यास का उद्देश्य – 'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त मातृ प्रेम – 'आपका बंटी' उपन्यास की संवाद योजना – 'आपका बंटी' उपन्यास की सकुन – 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आपका बंटी
लेखिका : मन्नू भण्डारी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार : डॉ. वैशाली देशपाण्डे – विद्या प्रकाशन, 'सी' ४४९ गुजैनी, कानपुर
२. महिला उपन्यासकार : डॉ. मधु सिंह – निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
११. स्त्री–पु षों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-०३)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-२ (पेपर-०३)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्रगण भारतीय आध्यात्मिक अस्मिता को गहराई से समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- छात्र नहुष की चारित्रिक विशेषताओं को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्भव एवं विकास				
		'नहुष' खण्डकाव्य का कथानक				
		'नहुष' का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'नहुष' खण्डकाव्य का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		'नहुष' खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य के पात्रों का चरित्र-मूल्यांकन				
	ईकाई-३	'नहुष' खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की संवाद-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
	ईकाई-४	'नहुष' खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		'नहुष' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य का नायक				
		'नहुष' खण्डकाव्य की रस-योजना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'नहुष' खण्डकाव्य में व्यक्त देवलोक – 'नहुष' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य में अलौकिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : नहुष (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य–सदन, चिरगाँव, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली – ६
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
६. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
७. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
८. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
९. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१०. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
११. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१३. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-०४)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास - आपका बंटी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-२ (पेपर-०४)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य-रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।
- छात्र मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाने ।
- छात्र हिन्दी उपन्यास में मनोवैज्ञानिक उपन्यास साहित्य को जाने ।
- छात्र उपन्यास के उद्‌भव एवं विकास को समझे ।
- छात्र संदर्भित उपन्यास की मूल संवेदना को जाने ।
- छात्र समसामयिक परिस्थितियाँ एवं हिन्दी उपन्यास के तारतम्य को जाने ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास				
		'आपका बंटी' उपन्यास की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'आपका बंटी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'आपका बंटी' उपन्यास में 'बंटी' का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास की मूल संवेदना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित समस्याएँ				
	ईकाई-३	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त बाल मनोविज्ञान				
		'आपका बंटी' उपन्यास की आधुनिकता				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त दाम्पत्य जीवन				
		'आपका बंटी' उपन्यास का परिवेश				
	ईकाई-४	'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित नारी जीवन				
		वर्तमान मानव समाज के टूटते संबंध और 'आपका बंटी' की आलोचना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त अकेलापन की स्थिति				
		'आपका बंटी' उपन्यास की समसामयिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'आपका बंटी' शीर्षक सार्थकता – ' 'आपका बंटी' उपन्यास का उद्देश्य – 'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त मातृ प्रेम – 'आपका बंटी' उपन्यास की संवाद योजना – 'आपका बंटी' उपन्यास की सकुन – 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आपका बंटी
लेखिका : मन्नू भण्डारी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार : डॉ. वैशाली देशपाण्डे – विद्या प्रकाशन, 'सी' ४४९ गुजैनी, कानपुर
२. महिला उपन्यासकार : डॉ. मधु सिंह – निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
११. स्त्री-पु षों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर